Notes

विचार धाराएँ एवं शैक्षिक प्रदर्शन :-

Ideologies and Educational vision.

पाठ्यक्रम के विकास पर विभिन्न धाराओं का व्यापक प्रभाव पड़ता है। जो विभिन्न विचार धाराओं के आधार पर निर्धारित होता है। जैसे आदर्श समाज दैनिक पाठ्यक्रम, आदर्शों से सम्बन्धित होगा इस विचार धारा के अन्तर्गत प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूपों से प्रभावित होता है।

1- सामाजिक विचारधाराएँ
2 दार्शनिक विचारधाराएँ
3 पारिवारिक विचार धाराएँ
4 मनोवैज्ञानिक विचार धाराएँ
5 शिक्षाशास्त्रियों की विचार धारा
6 शिक्षक के विचार

विभिन्न दार्शनिक विचारधाराएँ :- दार्शनिक विचारों के अनुसार विभिन्न रूपों में निर्धारित किया गया है।

Various Philosophical View :-

आदर्शवाद द्वारा पाठ्यक्रम का निर्धारण :- आदर्श शाश्वत मूल्यों तथा आदर्शों पर बल देता है। इस लिए यह पाठ्यक्रम का मुख्य आधार मानव के विचारों तथा आदर्शों को मानता है।

Scanned with CamScanner

Notes

आदर्शवाद के अनुसार पाठ्यक्रम निम्नलि० स्वरूप है।

1- मानव विचारो तथा आदर्शों का निर्माण :- आदर्शवादियों ने पाठ्यक्रम में सम्पूर्ण मानव जाति के अनुभवों को प्रतिबिम्बित होना चाहिए- मानव जो है दो प्रकार के अनुभवों को प्रकट करता है। भौतिक पर्यावरण एवं साथियों के सम्पर्क से दुसरा पाठ्यक्रम, विज्ञान, मानवीय क्रियाएँ एवं अन्य विषयों से

2. ज्ञान अनुभूति तथा क्रिया पर आधारित :- रॉस ने मनोवैज्ञानिक आधार लेकर के मानव आधार के तीन क्रियाओं पर आधारित है 1- ज्ञान - भाषा साहित्य, इतिहास, गणित, भूगोल विज्ञान इत्यादि.

2 अनुभूति, संगीत कला तथा कविता

3- क्रिया - व्यवहारिक कलाएँ (भोजन, भवन, वस्त्र का निर्माण)

3- मानव सभ्यता के आधार पर :- मनोवैज्ञानिक रन का मानना है की राष्ट्र की भौतिक तथा आध्यात्मिक शक्तियों को सुदृढ रखने के लिए ऐतिहासिक क्रमों से चलने तथा प्राप्त निष्पतियों की सुरक्षा की भांति आवश्यकता है संसार के सबसे अधिक मूल्यवान मानव के भावो को सर्वश्रेष्ठ माना है।

Notes

2- प्रकृतिवाद द्वारा पाठ्यक्रम का निर्धारण :- प्रकृतिवाद बालक के स्वाभाविकता पर बल देता है। इसके पाठ्यक्रम उन क्रियाओं का समावेश होना चाहिए जिसके द्वारा बालक का स्वभाविक प्रवृत्तियों का विकास हो। प्रकृतिवादीयो ने पाठ्यक्रम को अन्य विषयों के नि० लि० सिद्धान्तो पर आधारित है।

1:- मूल प्रवृत्तियां, रुचियाँ, क्षमताएँ इत्यादि।
2. व्यक्तिगत भिन्नताएँ
3- जीवन रक्षा सम्बन्धित विषयो की प्रधानता
4- मौन शिक्षा

3- यथार्थवाद द्वारा पाठ्यक्रम का निर्धारण:- यथार्थवादी पुस्तकीय तथा साहित्यक ज्ञान की अपेक्षा व्यवहारिक एवं भौतिक पक्षो को पाठ्यक्रम में विशेष स्थान देता है। यथार्थवादी चाहते है कि बालको को ऐसा विषय पढ़ाया जाय, जिससे यथार्थ जीवन की समस्या आवश्यकताओं, परिस्थितियों आदि के अनुकूल कर सके।

प्रयोजनवाद द्वारा पाठ्यक्रम का निर्धारण :- प्रयोजनवादी विचार धारा बालक को शिक्षा का केन्द्र बिन्दु मानने के साथ साथ उपयोगिता के सिद्धान्त पर बल देती है। प्रयोजनवादी पाठ्यक्रम का निर्धारण बालक के अभिरुचियों के अनुसार होता है।

Scanned with CamScanner

Notes

इनके निर्धारण का निम्नलि० सिद्धान्त है।

1- उपयोगिता का सिद्धान्त
2. सानुबन्धिता का सिद्धान्त
3- बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम का सिद्धान्त
4- बालक के व्यवहार एवं क्रियाओं एवं अनुभव का सिद्धान्त
5— बालक के प्रवृत्तियां एवं रुचियों का सिद्धान्त-

Scanned with CamScanner